

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *218
उत्तर देने की तारीख 4 अगस्त, 2025
13 श्रावण, 1947 (शक)

युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन

***218. श्री मनीष जायसवाल :**

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने हाल ही में वाराणसी में 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' का आयोजन किया है और यदि हां, तो इसके लक्ष्य और उद्देश्यों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त शिखर सम्मेलन में कितने युवा प्रतिनिधियों ने भाग लिया और उनके चयन के लिए क्या मानदंड अपनाए गए;

(ग) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि नशीले पदार्थों का सेवन हमारे युवाओं के समक्ष सबसे गंभीर खतरा बना हुआ है जो राष्ट्रीय प्रगति के लिए एक चुनौती है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और नशे की लत के मुद्दे पर ध्यान देने और कार्यनीतियों पर चर्चा करने के लिए कौन-कौन से विशिष्ट सत्र और कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं; और

(ङ) नशे की लत को छुड़ाने के लिए की गई अनुवर्ती कार्रवाई अथवा नियोजित कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ङ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है ।

युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन के संबंध में श्री मनीष जायसवाल और श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे माननीय संसद सदस्यों, लोक सभा द्वारा दिनांक 04.08.2025 के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *218 के भाग (क) से (ड) के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) जी, हाँ। सरकार ने हाल ही में 18 से 20 जुलाई 2025 तक वाराणसी में तीन दिवसीय 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' का आयोजन किया था। इस शिखर सम्मेलन का विषय "नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत" था जिसमें 120 से अधिक आध्यात्मिक संगठनों की युवा शाखाओं के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्र विशेषज्ञ, मंत्रालय और अन्य संगठन नशा मुक्त भारत के लिए एक व्यापक, युवा-नेतृत्व वाली राष्ट्रीय रणनीति विकसित करने के लिए एक साथ आए। विचार-विमर्श का समापन नशा मुक्त भारत के प्रति एक सर्वसम्मति-आधारित कार्य एजेंडा- काशी संकल्प के विमोचन के साथ हुआ।

(ख) देश भर के विभिन्न आध्यात्मिक संगठनों की युवा शाखाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 600 युवा प्रतिनिधियों ने इस शिखर सम्मेलन में भाग लिया। प्रतिनिधि आमतौर पर 25-40 वर्ष की आयु वर्ग के थे। मंत्रालय ने संस्कृति मंत्रालय से संबद्ध संगठनों और अन्य संबंधित निकायों से परामर्श किया। उनकी रुचि और सहभागिता की इच्छा के आधार पर पूरे भारत के आध्यात्मिक संगठनों को औपचारिक निमंत्रण दिए गए।

(ग) और (घ) जी, हाँ। सरकार इस बात से पूरी तरह अवगत है कि मादक द्रव्यों का सेवन भारतीय युवाओं के कल्याण और क्षमता के लिए और परिणामस्वरूप, देश के विकास पथ के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। इस कार्यक्रम के दौरान आयोजित किए गए मादक द्रव्य व्यसन से संबंधित विषयगत सत्रों और गतिविधियों की सूची इस प्रकार है:

सत्र 1 : व्यसन को समझना: युवा व्यसन पीड़ितों की प्रकृति, प्रकार, जनसांख्यिकी

सत्र 2: नेक्सस को समझना: विक्रेता नेटवर्क, उपलब्धता, अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव

सत्र 3: प्रभावी अभियान और आउटरीच

सत्र 4: विज्ञान 2047 - रोडमैप और प्रतिबद्धता तथा काशी संकल्प पर हस्ताक्षर

सार्वजनिक कार्यक्रम: संस्कृति मंत्रालय की एक टीम द्वारा नशीली दवाओं के सेवन के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालने वाला **एक नुक्कड़ नाटक** और एक विषय-आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति भी प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम में क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों और स्थानीय युवाओं ने भी भाग लिया।

इन सत्रों का नेतृत्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, गृह मंत्रालय के विशेषज्ञों तथा नशा मुक्ति के क्षेत्र में सक्रिय कुछ वर्तमान एवं पूर्व संसद सदस्यों और इस क्षेत्र के अन्य विशेषज्ञों द्वारा किया गया।

(ड) वाराणसी में युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए काशी संकल्प में युवाओं के नेतृत्व वाले जन अभियानों, संस्थागत पहुँच और बहु-हितधारक समन्वय के माध्यम से मादक द्रव्यों के सेवन से निपटने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। यह एक

नशामुक्त समाज की सांस्कृतिक और संवैधानिक अनिवार्यता पर ज़ोर देता है। घोषणापत्र में रोकथाम, पुनर्वास और जागरूकता में आध्यात्मिक संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी मंत्रालयों की भूमिकाओं का विवरण दिया गया है। इसमें संयुक्त कार्य समूहों, जन रिपोर्टिंग और संरचित कार्य योजना के लिए तंत्र भी शामिल हैं।
